चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16-12-23	8	5-6

हकृवि के वैज्ञानिकों ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता वैज्ञानिक एवं अन्य। • पीआरओ अधिकारीगण।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डा. करिश्मा नन्दा एवं डा. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डा. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16-12-23	2	4-5

शाबाश! हकृवि वैज्ञानिकों ने असम में हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

सम्मेलन में 500 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने लिया भाग

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विवि, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस सम्मेलन में एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था। ज्ञात रहे कि गत वर्ष इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विवि, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, श्रीनगर में राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों को वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बधाई दी। ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16-12-23	4	3-4

हिसार में एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ विजेता वैज्ञानिक। स्रोत : संस्थान

एचएयू के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नंदा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था।

ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा और कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह भी उपस्थित रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16-12-23	4	1-2

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

हिसार, 15 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डा. करिश्मा नन्दा व डा. संदीप आर्य द्वारा मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर लिखे गए शोधपत्र को जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है।

उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	16.12.23	11	1-2

हकृवि वैज्ञानिकों ने असम में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नंदा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर लिखे गए शोधपत्र को जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती थीम के तहत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था। गत वर्ष भी इन शोधकताअरं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

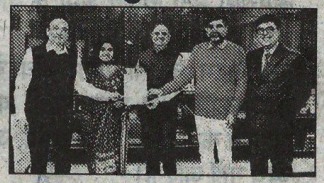

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ विजेता वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	16.12.23	5	1-2

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

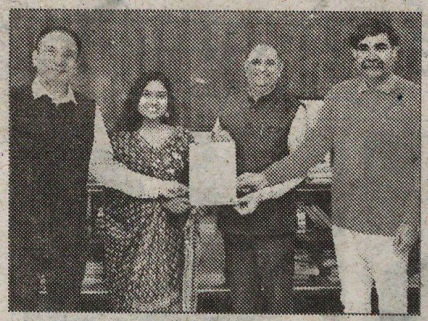

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर लिखे गए शोधपत्र को जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था।

ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16-12-23	5	6-8

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ विजेता वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारीगण।

हिसार, 15 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था। ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था। ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाईम्स	15.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

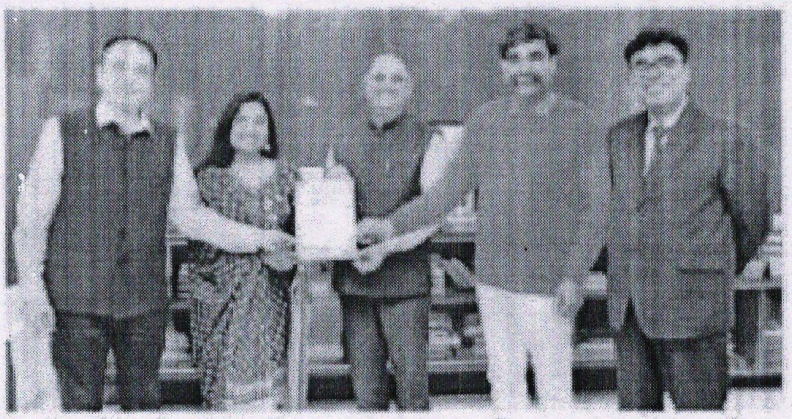

हिसार (चिराग टाइम्स) हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया–जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था। ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	16.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था।

ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाँच बजे	15.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

पांच बजे न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में 'अगली पीढ़ी की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए तैयारी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. करिश्मा नन्दा एवं डॉ. संदीप आर्य द्वारा 'मिलिया दुबिया-जौ आधारित कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'जैव विविधता, वानिकी, जैविक और प्राकृतिक खेती' थीम के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया है। उन्हें इस शोधपत्र की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए दृष्टिगत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आए 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा ने किया था।

ज्ञात रहे कि गत वर्ष भी इन शोधकर्ताओं ने केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर व शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भी पुरस्कार जीते थे। उपरोक्त वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित रहे।